जागृति २०२२

हिन्दी विभाग
रमादेवी महिला विश्वविद्यालय
विद्या विहार, भुवनेश्वर

पीएच. डी २०२१

स्नातकोत्तर (२०२०-२०२२)

स्नातक (२०१९-२०२२)

विभागाध्यक्ष के कलम से

रमादेवी महिला विश्वविद्यालय में हिंदि विभाग' का उम्र लगभग 44 वर्ष का हौ क्योंकि यह पहले महाविद्यालय था और अब विश्वविद्यालय बन चुका हौ हिंदी विभाग आज 'हिंदी दिवस मना रहा हौ गर्व और गौरव के साथ यह विश्वविद्यालय ओडिशा राज्य का एक मात्र महिला विश्वविद्यालय हैं। इस विश्व विद्यालय में दश्के प्रथम नागरिक छात्रा डॉ. श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी रह चुकी हैं| आज विश्वविद्यालय की प्रत्येक छात्रा सपना देखी है कि वह भी कभी राष्ट्रपति महोद या की तरह आगे बढ़ सके। आज हिंदविभाग जिस रूप में गर्व और गौरव के साथ खड़ा है उसके पीछे कई लोगों के हाथ हौं उनमें इस विभाग को बनानेवाले विद्वानगण हैं, इसके अधिकारी हैं तथा विशेष रूप से कुलपति महोदया की निरंतर प्रोत्साहन और सहयोग रहा हौ उनके सही मार्ग दर्शन से आज हिंदी विभाग अपनी पहचान बना पाई हौ विभाग का कलेवर बढ़ रहा है उसमें लगातार विद्यार्थियों की संख्या बढ़ रही हौं विशेष रूप से छात्राओं की भागिदारी तथा सफलता से इस विभाग का सम्मान बढ़ रहा हौ चाहे वह शिक्षा के क्षेत्र में हो या किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना हो। छात्राएं सबसे आगे रहती हौं और रमोदीव्यमहिला विश्वविद्यालय का नाम के यश की पताका उड़ाया है हिंदि विभाग की उत्तोरत्तर उन्नति हो,यही मेरी शुभकामना हौ

डॉ. स्नेहलता दास
विभागाध्यक्ष
हिन्दी विभाग, रमादेवी महिला विश्वविद्यालय

मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि रमादेवी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग की ओर से सत्र 2021-22 के लिए न्यूज लेटर का प्रकाशन हो रहा है। इस न्यूज लेटर का उद्देश्य है विभाग के कार्यकलापों की झांकी पाठकों के समक्ष प्रस्तुत। सत्र में विभाग की छात्राओं ने अपने पाठ्यक्रम के साथ विश्वविद्यालय की सभी प्रतियोगिताओं में सफलता पूर्वक भाग लिया। अगले सत्र में भी छात्राएं इसी तरह से विभाग का नाम उन्नत करें। यही मेरी हार्दिक शुभकामना है।

शुभेच्छु

डॉक्टर बिमला पात्र
हिन्दी विभाग, रमादेवी महिला विश्वविद्यालय

रमादेवी महिला विश्वविद्यालय ने महाविद्यालय से विश्वविद्यालय तक एक लंबी यात्रा सफलता पूर्वक तय की इसकी सफलता के एक ओर है विद्यार्थी और अध्यापकागण। महाविद्यालय को दिशानिदर्श देने के लिए जिस कुशल अधिनायक की आवश्यकता है वह भी उसके पास है। कुलपति महोदया के निर्देशन में विभाग विश्वविद्यालय निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर हो रहा है। यहां ज्ञान विज्ञान के sath साथ मानवीय जीवन मूल्यों की ओर भी विद्यार्थियों का ध्यान खींचा जाता है। यह अपने आप में विशेष एवं महत्वपूर्ण है। इस विश्वविद्यालय की गरिमा माँ रमादेवी की तरह प्रशस्त हो, प्रसारित होती रहे।

प्रो. स्मरप्रिया मिश्र
विजिटिंग प्रोफेसर, हिंदी विभाग, रमादेवी महिला विश्वविद्यालय

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी - २०२१

कार्यशाला - २०२२

गुरु दिवस

शैक्षणिक भ्रमण

हिंदी दिवस २०२१

हिंदी दिवस २०२२

स्वागत समारोह -२०२१

विदाई समारोह -२०२१

संगोष्ठी (२०२१-२०२२)

पुरातन छात्रा संसद

हिन्दी विभाग केवल अपने विद्यार्थियों को शिक्षा प्रदान ही नहीं करता वरन् उनके बौद्धिक तथा मानसिक विकास का निर्माण भी करता हैखुद को यह ज्ञात भी नहीं होता कि कब आप जीवन की समस्याओं का डटकर सामना करने के लिए प्रस्तुत हो गए हैंविभाग के समस्त गुरूओं ने सैदव ही हर क्षेत्र में प्रोत्साहित किया हैमेरे चरित्र के विकास के साथ ही मुझमें मानवता का जागरण हुआ है तथा आज मैं जिस स्थान पर हूँउसमें हमारे हिन्दी विभाग का अभूतपूर्व योगदान रहा हैहमारे हिन्दी विभाग की उत्तरोत्तर उन्नति की कामना करती हूँ

दीप्ति डिगल
(पीएच्॰डी॰ शोधार्थी, हिन्दी विभाग,रमोदवी महिला विश्वविद्यालय)

हमारा हिन्दी विभाग पूरे 44 वर्ष का अनुभव रखने वाला हैरमोदवी महिला विश्वविधालय के पुराने विभागों में से एक हैइस विभाग ने कई महान प्रतिभाओं को जन्म दिया हैमेरा विभाग के साथ पिछले 12 वर्ष का संबंध हैमेरे व्यक्तित्व को निखारने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका रही हैमैं इस वार्षिक समाचार पत्र के माध्यम से विभाग की उत्तरोत्तर वृद्धि की कामना करती हूं।

पार्वती बारिक
पीएच. डी, शोधार्थीहिन्दी विभागरमोदवी महिला विश्वविधालय

रमादेवी महिला विश्वविद्यालय सिर्फ एक संस्थान नहीं हैं बल्कि उस से कई ज़्यादा बढ़ कर हैं उत्कृष्टतासशक्तिकरण और समृध आदी शब्दों को परिभाषित करता हैं यह विश्वविद्यालय। मैं खुद को बहुत ही ज़्यादा सौभाग्यशाली महसूस करती हूँ कि मैं इस विश्वविद्यालय का हिस्सा हूँ। जब लोग मुझे रमोदवी विश्वविद्यालय के नाम से पहचानते हैं तब मुझे बहुत गर्व महसूस होता हैं यहाँ से मुझे जो शिक्षा और संस्कार मिला हैं उसके लिऐ सदैव आभारी रहूँगी।

अंकिता महापात्र

प्रिय पाठक,

रमादेवी महिला विश्वविद्यालय की सबसे पुराना विभाग हैं हिन्दी विभाग। कईं छात्राओं के भविष्य गढ़ने में सहायक हुई हैं हिन्दी विभाग। यह मेरी खुशनशिबी हैं कि मैं इस विभाग के साथ जुड़ पाई। मेरे व्यक्तित्व और मेरे कार्यसिद्धि को सुदृढ़बनाने में विभाग का पूर्ण सहयोग मुझे मिला हैं। आशा करती हूँ कि विभाग यूँही सफलता की उड़ान बरती रहे।

डॉ. डी. मोहिनी

रमादेवी महिला विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग 44वर्ष का विभाग हौ पिछले सत्र में कुलपति के निर्देशन में तथा विभागाध्यक्ष के मार्गदर्शन से विभाग में कई कार्यविधि संपन्न हुए हौं विभाग का परिचय उसके सफल विद्यार्थियों से हैं जिन्होंने विविध क्षेत्र में गौरववान स्थान प्राप्त किया हौ विभाग के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए मैं अपनी शुभकामनाएं व्यक्त करती हूं।

विष्णुप्रिया भुक्ता
अतिथि अध्यापिका

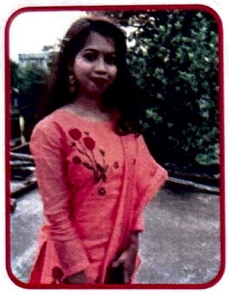

हिंदी विभाग ... यह सिर्फ हमारा विभाग ही नहीं अपितु यह हमारा दूसरा घर हौ विभाग से मेरा रिश्ता करीब सात सालों से हौ मेरा परिचय इसीसे जुड़ी हुई हौ आज मैं जो कुछ भी बन पाई हूं उसका श्रेय काफी मात्रा में विभाग को भी जाता हौ मेरे व्यक्तित्व के उज्वल पक्ष को उभारने में विभाग ने मेरी अनेक सहायता की हौ यह समाचार पत्र के माध्यम से विभाग का आभार व्यक्त करते हुए, यही कामना करती हूं कि हमारा विभाग और आगे जाए, और उन्नति करें।

रश्मिरेखा बेहेरा
अतिथि अध्यापिका

अर्चना रथ
80.24%, स्नातकोत्तर

स्निग्धा प्रियदर्शनी
85%, स्नातक

प्रेरणा किशोर
प्रथम पुरस्कार, निबंध प्रतियोगिता
ओड़िशा अंतर विश्वविद्यालय
प्रतियोगिताएं पाठ्येत्तर
गतिविधियों में
(सांस्कृतिक और साहित्यक)